

F.Y.B.A.-HINDI (G-1)
हिंदी साहित्य और भाषा उपयोजन

सेमिस्टर - १

विषय कोड नं.ए - ११५०३

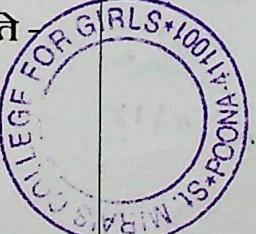
कुल व्याख्यान - ६०

उद्देश्यः

- छात्रों में हिंदी साहित्य के प्रति रुचि निर्माण करना।
- हिंदी की मान्यवर लेखिका महादेवी वर्मा के रेखाचित्रों से छात्रों को परिचित करना।
- शुद्धलेखन और व्यावहारिक हिंदी के प्रति सजगता निर्माण करना।

युनिट १:	गद्य संकलन - मेरा परिवार - महादेवी वर्मा	व्याख्यान १५
	<ul style="list-style-type: none"> रेखाचित्र विद्या की संक्षेप में जानकारी रेखाचित्रों का अध्ययन अनुशीलन - <ol style="list-style-type: none"> नीलकंठ गिल्लू सोना 	

युनिट २	पद्य संकलन – काव्य सुरभि - संपा. डॉ. सत्यप्रकाश मिश्र	व्याख्यान १५
	<ul style="list-style-type: none"> हिंदी काव्य - परंपरा का संक्षेप में इतिहास प्रस्तुत काव्य - संकलन का अध्ययन – <ol style="list-style-type: none"> सूरदास मीराबाई सुमित्रानन्दन पंत निराला 	

युनिट ३	पाठ्यपुस्तकेतर पाठ्यक्रम	व्याख्यान १०
	<ul style="list-style-type: none"> व्याकरण – शुद्धलेखन पारिभाषिक शब्द – <ol style="list-style-type: none"> संभाषणात्मक हिंदी – रसोईघर, सब्जीमंडी तथा विविध जाते शिशुओं के लिए हिंदी शब्द समानार्थी, विलोदार्थी और अनेकार्थी शब्द। पत्रलेखन - बधाई पत्र, आमंत्रणपत्र, सम्वेदनापत्र 	

28.8.2015
21/4/15

21/4/15

SDRosh
22/4/2015

Soni
22/4/15

Mary
21/4/15

युनिट ४

- पत्रिका
- साक्षात्कार - कौशल

अतिथि व्याख्यान, समूहचर्चा, ग्रंथालय गतिविधि, प्रोजेक्ट

पाठ्य पुस्तके :-

- महादेवी वर्मा (१९७२) मेरा परिवार - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- संपा - मिश्र सत्यप्रकाश (२००२) काव्य - सुरभि, तृतीय संस्करण, ज्योति प्रकाशन, इलाहाबाद।

संदर्भ ग्रंथ :-

- डॉ. वीरेंद्रकुमार बड़सूवाला (१९६९) गद्यकार महादेवी वर्मा, प्रथम संस्करण, ज्ञानभारती प्रकाशन, दिल्ली।
- चरनसर्खी शर्मा (१९७९) महादेवी का संस्मरणात्मक गद्य, प्रथम संस्करण, शोधप्रबंध प्रकाशन, दिल्ली।
- सूर्यप्रसाद दीक्षित (१९६९) महादेवी का गद्य राधाकृष्ण प्रकाशन, दरयागंज, दिल्ली ६।
- माखनलाल शर्मा, महादेवी वर्मा के रेखाचित्र, प्रथम संस्करण, प्रेमशील प्रकाशन दिल्ली।
- सिंहल ओमप्रकाश, तिलकराज बडेहारा (१९८५) व्यावहारिक हिंदी भाग १, २ चतुर्थ संस्करण, पीतांबर पब्लिशिंग कंपनी, दिल्ली।
- संपा - त्रिवेदी जयेंद्र (१९८८) हिंदी लपरचना, तृतीय संस्करण, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

Prof. S. S. Rayha
21/4/15रामकृष्ण
21/4/15SD Purush
22/4/2015Shashi
21/4/15Chetan
22/4/15

F.Y.B.A.-HINDI (G-1)
हिंदी साहित्य और भाषा उपयोजन

सेमिस्टर - २	विषय कोड नं.ए - २१५०३	कुल व्याख्यान - ६०
--------------	-----------------------	--------------------

उद्देश्यः

- छात्रों में हिंदी साहित्य के प्रति रुचि निर्माण करना।
- हिंदी साहित्य की महान लेखिका महादेवी वर्मा के रेखाचित्रों से परिचय।
- शुल्क लेखन और व्यावहारिक हिंदी के प्रति सजगता निर्माण करना।

युनिट १: गद्य संकलन - मेरा परिवार - रेखाचित्र संग्रह - महादेवी वर्मा	व्याख्यान १५
<ul style="list-style-type: none"> शेष रेखाचित्रों का अध्ययन - अनुशीलन। <ol style="list-style-type: none"> दुर्मुख गौरा नीलू नितकी, रोजी और शनी 	

युनिट २ पद्य संकलन - काव्य सुरभि - संपा. डॉ. सत्यप्रकाश मिश्र	व्याख्यान १५
<ul style="list-style-type: none"> काव्य संकलन के शेष भाग का अध्ययन। <ol style="list-style-type: none"> कबीर दाय बिहारीलाल के दोहे अज्जोय नागार्जुन अरुण कमल 	

युनिट ३ पाठ्यपुस्तकेतर पाठ्यक्रम	व्याख्यान १०
<ul style="list-style-type: none"> शेष पाठ्यक्रम की पूर्ति। पत्रलेखन - अभ्यास पल्लवन 	

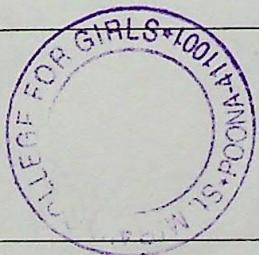
198. S. S. Singh
21/4/15

रवेश कुमार
21/4/15

S. D. Purush
22/4/2015

Shiv
22/4/15

M. G. P.
21/4/15



युनिट ४

व्याख्यान ०८

- साक्षात्कार कौशल
- पत्तलवन – अभ्यास

अतिथि व्याख्यान, समूहचर्चा, ग्रंथालय गतिविधि, प्रोजेक्ट

व्याख्यान १२

पाठ्य पुस्तके :-

1. महादेवी वर्मा (१९७२) मेरा परिवार - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. संपा – मिश्र सत्यप्रकाश (२००२) काव्य - सुरभि, तृतीय संस्करण, ज्योति प्रकाशन, इलाहाबाद।

संदर्भ ग्रंथ :-

1. संपा. त्रिपाठी रमेशचंद्र, अग्रवाल पब्लिकेशन (२००३) मीडिया – लेखन, बिंदीय संस्करण, भारत प्रकाशन, लखनऊ।
2. त्रिवेदी जयेंद्र (१९८८) हिंदी रूपरचना, तृतीय संस्करण. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. सिंहल ओमप्रकाश, तिलकराज बडेहारा (१९८५) व्यावहारिक हिंदी भाग १, २ चतुर्थ संस्करण, पीतांबर पब्लिकेशन कं. दिल्ली।
4. प्रसाद वासुदेवानंदन (१९७५) आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, बारहवाँ संस्करण, भारती भवन, पटना।
5. शैलजा सिंहा (१९९०) महादेवी का गदा साहित्य, प्रथम संस्करण, सिंडीकेट पब्लिकेशन, अंडमान राजपथ, पटना।
6. प्रा. सु. मो. शहा, प्रा. नीला बोर्णकर, पत्रलेखन, प्रथम संस्करण, सचिव महायाष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा पुणे।

1918. S. J. Rauf
21/4/15

वार्ता कार्यालय
२१/५/१५

संस्कृत
२२/५/२०१५

गोपनीय
२१/५/१५

संस्कृत
२२/५/१५

